THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"

Question Bank	Topic: टोपी	Note: Pls. write in your Hindi note book

प्रश्नोत्तर -

अति लघु प्रश्न -

प्रश्न-1 कहानी 'टोपी' के लेखक कौन हैं?

उत्तर - कहानी 'टोपी' के लेखक संजय जी हैं।

प्रश्न-2 गवरइया जब राजा के महल गई तब राजा क्या कर रहा था?

उत्तर - गवरइया जब राजा के महल गई तब राजा मालिश करवा रहा था।

प्रश्न-3 जब गवरइया धुनिया के पास गई तब वह क्या कर रहा था?

उत्तर - जब गवरइया धुनिया के पास गई तब वह राजा के लिए रजाई बनाने के काम में व्यस्त था।

प्रश्न-4 गवरइया ने धुनिया को मज़दूरी के रूप में क्या देने की बात कही?

उत्तर - गवरइया ने धुनिया को मज़दूरी के रूप में रुई का आधा हिस्सा देने की बात कही।

प्रश्न-5 राजा के महल के आस - पास लोग क्यों इकट्ठा हो गए थे?

उत्तर - राजा के महल के आस - पास लोग इकट्ठा हो गए थे क्योंकि गवरइया राजा के कारनामों का पर्दाफाश कर रही थी।

प्रश्न-6 गवरइए ने गवरे से कौन सी इच्छा प्रकट की?

उत्तर- गवरइए ने गवरे से टोपी पहनने की इच्छा प्रकट की।

प्रश्न- 7 सिपाही ने गवरइया की टोपी क्यों गिराई ?

उत्तर- सिपाही ने गवरइया की टोपी गिराई क्योंकि वह टोपी पहनकर राजा को चिढ़ा रही थी।

लघु प्रश्न -

प्रश्न 1- गवरइया और गवरे की दिनचर्या क्या थी?

उत्तर- गवरइया और गवरा सवेरा होते ही अपने घोंसले से निकलकर दाना चुगने चले जाते और शाम को वापस लौटते थे| वे दिन भर की थकान एक साथ उतारते तथा दिन भर की बातें एक-दूसरे को बताते थे|

प्रश्न 2- गवरइया और गवरा के बीच किस बात पर बहस हुई और गवरइया को अपनी इच्छा पूरी करने का अवसर कैसे मिला?

उत्तर - गवरइया और गवरा के बीच मनुष्य द्वारा पहने गए कपड़ों को लेकर बहस हुई।एक रुई

का फाहा मिलने के बाद गवरइया को अपनी इच्छा पूरी करने का अवसर मिला। जिससे उसने टोपी बनवाई और अपनी इच्छा पूरी की।

प्रश्न 3- गवरइया की टोपी पर दर्जी ने पाँच फुँदने क्यों जड़ दिए?

उत्तर -गवरइया की टोपी पर दर्जी ने पाँच फुँदने जड़ दिए क्योंकि उसने दर्जी को मजदूरी के रूप में आधा कपड़ा दे दिया था। इससे खुश होकर दर्जी ने सुंदर-सी टोपी सिल दी।

प्रश्न 4- टोपी पाठ का राजा कैसा था?

उत्तर - टोपी पाठ का राजा अपने पद का गलत प्रयोग करता था। वह मज़दूर और असहाय लोगों को उनकी मेहनत की पूरी मज़दूरी नहीं देता था। वह अपने चाटुकारों से घिरा रहता था और अपनी प्रजा पर अत्याचार करता था|

दीर्घ प्रश्न -

प्रश्न 1- गवरइया और गवरा एक दूसरे के परम संगी थे, परंतु उनके स्वभाव किस तरह भिन्न थे?

उत्तर- गवरइया और गवरा एक दूसरे के परम संगी थे,परंतु उनके स्वभाव एक समान नहीं थे| गवरइया जिद्दी और धुन की पक्की थी|वह जो ठान लेती उसे करके ही छोड़ती थी|अपने सोचे काम को जीवन का लक्ष्य मान लेती थी| जबकि गवरा समझदार किन्तु बहुत शक्की था|

प्रश्न 2- टोपी बनवाने के लिए गवरइया किस-किस के पास गई? टोपी बनने तक के एक-एक कार्य को लिखें।

उत्तर - गवरइया को घूरे से रुई का फाहा मिला इसके बाद उसे लेकर गवरइया पहले धुनिया के पास रुई धुनवाने के लिए गई, फिर वह कोरी के पास कतवाने के लिए गई, इसके बाद बुनकर के पास कपड़ा बुनवाने के लिए गई और अंत में दर्जी के पास टोपी सिलवाने के लिए गई। उसने सभी को उचित मजदूरी दी | दर्जी ने अंत में उसकी टोपी सिल दी|इस तरह उसकी टोपी तैयार हो गई।

। 3- सफलता के लिए उत्साह बहुत आवश्यक है|गवरइया का उदाहरण देकर सिद्ध कीजिए|

उत्तर - गवरइया अपना लक्ष्य पाने के लिए बहुत उत्साहित रहती थी|अपने सोचे काम को जीवन का लक्ष्य मान लेती थी| वह जो ठान लेती थी उसे करके ही छोड़ती थी| इससे प्रमाणित होता है कि सफलता के लिए उत्साह बहुत आवश्यक है| अगर हम भी अपना लक्ष्य तय कर लें और उसके लिए पूरे उत्साह तथा लगन से काम करें तो अवश्य ही सफल होंगे |

--- धन्यवाद ---